UTTAR PRADESH 83/31 ۷۸۶ I 2730 500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

भारत

पाँच सौ रुपया FIVE HUNDRED RUPEES

نکہ مسماۃ آمنہ خاتون زوجہ جمال الرحمن صاحب ساکنی وکشوریہ رجسٹریشن

شدہ کشو حال محل نشالہ گنج شہید کشو کی ہوں ۔

جو کہ بحضرہ مالک حاصل وقابض ودخیل بقدر حصہ ایک شش تین مابقیہ آراضیات بھوم بھوی

نمبری ذیل تعدادی ایک بیگہ واقعہ موضع سرائے شیخ پرگنہ وتحصیل وضلع کشو

اندرون چاردیواری کی ہے حصہ جائداد مذکور میرے قبضہ مالکانہ میں

موجود ہے اور جملہ انتقالات رہن وبیع وہبہ وغیرہ سے بری وبرک

صاف ہے کیونکہ محمد اسلام احمد ولد محمد اسحاق احمد صاحب ساکنی نشالہ

گنج شہید کشو جو کہ میرے بھائی کا لڑکا ہے وہ میری خدمت

والا عالیت مقدر مالیہ دار اول کرتا چلا آتا ہے جس سے بحضرہ کو محبت

قلبی ہے اور جس سے بحضرہ نہایت درجہ راضی وخوش ہے

حصہ جائداد مذکور میری خریدکردہ ہے اور کاغذات

آمنہ خاتون

محمد اسلام

محمد اسحاق

दिनांक 17-6-71

17/6/71

17/6/71

दिवानी	फीस	उजरत	योग	रुजूह
128257-	141.00	2.25	143.25	700

कमीशन के प्रार्थनापत्र के अनुसार श्रीमती आमना खातून पत्नी जमालुर्रहमान नि० निशातगंज गली 2, लखनऊ ने यह प्रमाणपत्र अपने मकान के ऊपरी कमरे में आज दि० 17.6.71 ई० समय 4.00 के मध्य पर्दे के भीतर से प्रस्तुत कराया।

17.6.71.

आमना खातून

इस प्रार्थना के सम्बन्ध में श्रीमती आमना खातून उक्त ने पत्र के विषय को सुनकर व समझकर स्वीकार किया। पहचान श्री मुहम्मद अयूब पुत्र हाजी पीरबख्श नि० निशातगंज भाई मुकद्दम व हाजी मुहम्मद अली पुत्र शेख शुबराती नि० निशातगंज चचा मुकद्दम ने की।

17.6.71.

आमना खातून

अंगूठे

सभी प्रपत्रों को अं० चि० लगवाकर दिये गये हैं

17.6.71.

UTTAR PRADESH

150 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१५० रु.

Rs 150

भारत

एक सौ पचास रुपया ONE HUNDRED & FIFTY RUPEES

سرکاری میں میرا نام اندراج ہے میں ہندو مذہب کی مالک حکمت

نفس و ثبات عقل بلا جبر و اکراہ بہ رضا و رغبت بہ برضائی

خود اس خمسہ مجوزہ مالک خود اور اس حصہ ایک

شش تعین مابنہ اراضیات مندرجہ ذیل کو محدود نمای حدود

و حقوق ملکیت داخلی و خارجی و تمامی متعلقات

اوسکے بلا استثنای کسی شے و جزو

حق کے بالعوض حق الخدمت و الحاعت و محبت

قلبی کنیز محمد مسلم احمد مذکورہ بالا کو ہبہ کیا

آمنہ خاتون

राजकीय कोषागार, लखनऊ उ० प्र०

दिनांक 17-6-71

नगद

श्री मती मोना लोहन

सिद्ध उद्धरित

कोषाध्यक्ष

17/6/71

17/6/71

UTTAR PRADESH

UTTAR PRADESH

150 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१५० रु.

Rs 150

भारत

एक सौ पचास रुपया ONE HUNDRED & FIFTY RUPEES

اور بخشدیا تاریخ اور زمانہ سے تحفہ نے اپنا قبضہ حصہ ہبہ کیا

کے تحت قبضہ ہبہ اللہ کا کر دیا اور جسکو ہبہ اللہ

نے بھی بخوشی قبول و منظور کر کے اپنا قبضہ مالکانہ حصہ ہبہ پر

کر لیا اب تحفہ و ورثاء و قائم مقامان تحفہ کا کوئی

دعویٰ و حق ثابت حصہ ہبہ کا نہیں ہے ہبہ اللہ

کے باقی رہا اگر کوئی شخص کسی طرح کا دعویٰ کرے

تو وہ بیروئے تحریر ہذا بالکل ناقابل ہوگا ہبہ اللہ

آپ حصہ ہبہ کا مالک کامل مثل میرے ہوگا ہبہ اللہ

اپنا نام تبدیلی سرکاری میں اندراج کرالیں ہذا

آمنہ خاتون

प्रेषक कोषागार, उपनिदेशक ...

दिनांक 12-6-71

क्रमांक 1502

नकल

श्री नवीन आवास संस्थान

लखनऊ

प्रेषक प्रधान महालेखाकार

उत्तर प्रदेश

12/6/71

12/6/71

UTTAR PRADESH

45 Rs.

पैंतालीस रुपया

भारत

INDIA

FORTY FIVE RUPEES

४५रु.

45Rs.

یہ ہبہ نامہ تحریر کر دیا گیا ہے اور ہم اراضی

تفصیل ذیل اراضیات مقدمہ دعوی واقعہ موضع سورائے شیخ پرگنہ و

تحصیل و ضلع کنتور حصہ ایک بٹہ تین کی ہبہ ہے مسلم جائداد

کی مالگزاری 96.19 سالانہ ہے حصہ مورثہ کی مالیت

12825/- روپیہ ہے

آمنہ خاتون

نمبر	رقبہ	مالگزاری
پانچسو چھ ۵۰۶	سینتیس بیگہ چار بسوہ دس بسوانسی	۳۷ بیگہ ۱۰ بسوانسی
پانچسو تیس ۵۳۰	پندرہ بسوہ دس بسوانسی	۱۵ بسوہ ۱۰ بسوانسی
پانچسو اکتیس ۵۳۱	ایک بیگہ دو بسوہ	۱ بیگہ ۲ بسوہ
پانچسو بتیس ۵۳۲	ایک بیگہ اڑتیس بسوہ	۱ بیگہ ۳۸ بسوہ
پانچسو تینتیس ۵۳۳	سترہ بسوہ	۱۷ بسوہ
پانچسو چونتیس ۵۳۴	پانچ بسوہ	۵ بسوہ
جملہ رقبہ	بیالیس بیگہ تین بسوہ	۴۲ بیگہ ۳ بسوہ
		96.19

ارقوم ۱۷ جون ۱۹۷۱ء تلخ سید نواب و شاہد نواب ولد 30/-

12-6-21

নমস্কার

শ্রী সৌরভ কানন বোস্টন

সিদ্ধি চক্রবর্তী

12/6/21

12/6/21

नकल हिबा नामा उर्दू कि हिन्दी व हल अहकाम अहमद

मार्फत मुख्तार आमना खातून मौजा जमीलुर रहमान

साहब सालिन विक्टोरिया स्ट्रीट शहर लखनऊ हाल

मुहल्ला निशात गंज शहर लखनऊ का है।

जो कि मुकिला मालिक जामिन व काबिज व

भूमिधर हिस्सा एक बटे तीन 1/3 बाबत आराजीयात

भूमि धरी नम्बरी जैल तादादी बयाकीत बीघा

तीन बिसवा वाके मौजा सराय कौल परगना बलहरिन

व जिला लखनऊ अन्दरून कोर पोशीदा कि है

हिस्सा जायदाद मजकूर 1/2 कब्जा मालिकाना मे

मौजूद है और मुमकिन इन्तकाल लाल रेहन व बय

व हिबा वगैरा से बरी व पाक साफ है क्योंकि

मुहम्मद असलम अहमद वल्द मुहम्मद इसहाक अहमद

साहब सालिन निशात गंज शहर लखनऊ जो कि

मेरे भाई का लडका है वह मेरी रिश्तेदार

गोशवारा

शजरा नसब

मुकद्दमा

मुकद्दमा मुख्तार

शजरा नसब नं.

व इलाज व खिदमत बरदारी करता चला आता
है। जिस से मुंशिला को मुहब्बत कलबी है
और जिस से मुंशिला निहायत दर्जा राज़ी व
खुश है। हिस्सा जायदाद मज़कूर मेरी खरीद
करदा है और काग़ज़ात सरकारी में मेरा नाम
इन्द्राज है। लिहाजा मुंशिला व हालत सहत नफ्स
व सबाते अक्ल बिला जब्र इकराह बरज़ा व रग़बत
बदरस्ती हवास खमसा व खुशी खातिर खुद उसी
हिस्सा एक बटे तीन बाबत आराज़याल मुन्दर्जा ज़ैल
को मय तमामी हुदूद व हुकूक मिलकियत दाखिली
व खारजी व तमामी मुतालिकात उस के बिला इस्तेसना किसी शय
व चीज़ व हक़ के बल्कि एवज़ हकूक खिदमत व
इलाज व मुहब्बत कलबी बहक मुहम्मद आलम
अहमद मजकूरा बाला को हिबा किया और वरसा
दिया तारीख इमरोज़ से मुंशिला ने अपना कब्ज़ा
हिस्सा मौहूबा पर से हटा कर कब्ज़ा मौहूबइलैह
का करा दिया और जिस को मौहूब इलैह ने

मौ बरखुशी कुबूल व मंजूर कर के अपना कब्जा
मालिकाना हिस्सा मौहूबा पर कर लिया अब मुंतकिल व
वारिसान व कायम मुकामान मुंतकिल को कोई दावा
व हक निसबत हिस्सा जायदाद मौहूबा पर मौहूब इलैह
से बाकी नहीं रहा अगर कोई शख्स किसी तरह का
दावा करे तो वह बरख्ये तहरीर हाजा बातिल व
ना जायज होगा मौहूब इलैह आज से हिस्सा
मौहूबा के मालिक काबिज काबिल मेरे हो गये
मौहूब इलैह अपना नाम कागजात सरकारी में
कराले लिहाजा यह हिबा नामा तहरीर कर दिया
कि सन्द रहे और काम आवे मौजा तमसील
नम्बरान आराजयात भूमिधरी वाले मौजा सराये
शेख परगना व तहसील व जिला लखनऊ जिस में
हिस्सा एक बटे तीन मौहूबा है मुकल्लम जायदाद
की माल गुजारी- 96-19 सालाना है हिस्सा
1/3 मौहूबा की मालियत 12825/- रुपया है

नम्बर माल गुजारी
पांच सौ छः = 506. सतहत्तर रुपया चार बिसवा
पच्चीस रुपया सी

- पाँच सौ तीस-530- पन्द्रह बिस्वा दफ बसवासी ~

- पाँच सौ इकतीस 531- एक बीघा दो बिस्वा ~

- पाँच सौ बत्तीस-532- पाँच बीघा उन्नीस बिस्वा ~

- पाँच सौ तैंतीस=533- सत्तरह बिस्वा ~

- पाँच सौ चौंतीस=534- पाँच बिसवा ~

कैफियत बयालीस बीघा तीन बिसवा - 96/19

अलमरकूम 17 जून सन् 1971 ई० बकलम सय्यद नवाब दस्तखत बेज नवीस उजरत 30/- रुपये

वही न. 1 जिल्द न. 2096 किस्म न. 20/21

के नम्बर 2730 आज दिनांक 27- अगस्त 1971 ई० रजिस्ट्री की गई

AR PRADESH FOR COPYING FEES ONLY 25 nP

INDIA

पच पैसे

भारत

TWENTY FIVE NAYE PAISE

COURT FEE 1 Rs. भारत INDIA FOR COPYING FEES ONLY ONE RUPEE

COURT FEE 1 Rs. भारत INDIA FOR COPYING FEES ONLY ONE RUPEE

COURT FEE 1 Rs. भारत INDIA FOR COPYING FEES ONLY ONE RUPEE

COURT FEE 1 Rs. भारत INDIA FOR COPYING FEES ONLY ONE RUPEE

COURT FEE 2 Rs. भारत INDIA FOR COPYING FEES ONLY TWO RUPEES

वल नक़ल की फीस के लिए

Date on which application is made for copy accompanied by the requisite stamps. आवश्यक स्टाम्प सहित प्रार्थना पत्र देने की तारीख़	posting notice on notice board. नोटिस बोर्ड पर नक़ल तैयार होने की सूचना की तारीख़	Date of delivery of copy. नक़ल वापिस दिए जाने की तारीख़	Signature of official delivering copy. नक़ल वापिस देने वाले अधिकारी का हस्ताक्षर

No 344
26/2/75

नकल आदेश परगनाधिकारी लखनऊ दिनांक 23-10-68
मुकदमा नं० 271/291 ग्राम सराय शेख परगना व तहसील
व जिला लखनऊ पन्नावती दारिन स्वामित्व श्रीमती
आमना खातून बनाम मोहम्मद अलतफ अहमद

copy attached